



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 410]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 17, 2008/कार्तिक 26, 1930

No. 410]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 17, 2008/KARTIKA 26, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 2008

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डाई ईथाइल थिओ फॉस्फोरिल क्लोराइड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

सं. 14/18/2008-डीजीएडी.—यतः मै. केमिनोवा इंडिया लिमिटेड-मुंबई (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा जाएगा) ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा जाएगा) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात् नियम कहा जाएगा) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें उन्होंने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे एतदपश्चात् "संबद्ध देश" कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डाईईथाइल थिओ फॉस्फोरिल क्लोराइड (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने की मांग की है ।

और जबकि, प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग की क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं और वे एतद्वारा किसी कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं ।

1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद डाई ईथाइल थिओ फॉस्फोरिल क्लोराइड है ।

डाई ईथाइल थिओ फॉस्फोरिल क्लोराइड एक रंगहीन अथवा हल्के पीले/एम्बर रंग का एक कार्बनिक तरल है जिसकी गंध अप्रिय होती है । इसका घनत्व 1.196 ग्राम/घन सेमी. होता है । डाई ईथाइल थिओ फॉस्फोरिल क्लोराइड जल में अघुलनशील परंतु कार्बनिक विलायक द्रव्यों में घुलनशील होता है । यह एक अत्यंत विषैला रसायन होता है जो आंखों एवं फेफड़ों हेतु प्रदाहजनक हो सकता है । इसे कीटनाशकों के लिए एक मध्यवर्ती के रूप में इस्तेमाल किया जाता है । इसे ओ, ओ-डाई ईथाइल फॉस्फोरिल क्लोराइडोथिओएट अथवा डीईटीपीसी के नाम से भी जाना जाता है । डाई ईथाइल थिओ फॉस्फोरिल क्लोराइड का रासायनिक फॉर्मूला $C_4H_{10}ClO_2PS$ है । याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि डाई ईथाइल थिओ फॉस्फोरिल क्लोराइड को विभिन्न समानार्थी नामों से भी जाना जाता है । उत्पाद के दायरे में उत्पाद के सभी समानार्थी स्वरूप शामिल हैं ।

2. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह आवेदन मै. केमिनोवा इंडिया लि., मुम्बई द्वारा दायर किया गया है तथा एक्सेल इंडस्ट्रीज लि. मुम्बई ने इसका समर्थन किया है। ये उत्पादक, भारत में उत्पाद के प्रमुख उत्पादक हैं। रिकॉर्ड में दर्ज सूचना के आधार पर प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि (क) आवेदक द्वारा किया जाने वाला उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता है; (ख) आवेदन को खुला समर्थन देने वाले घरेलू उत्पादकों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के कुल उत्पादन के 50% से अधिक बनता है; तथा (ग) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उनकी ओर से दायर किया गया है।

उपर्युक्त की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि आवेदक नियम 2 के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग है और आवेदन उपर्युक्त नियमों के नियम 5 के संदर्भ में स्थिति संबंधी मानदण्डों को पूरा करता है।

3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है।

4. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं एवं चीन जन. गण. द्वारा निर्यातित वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। वास्तविक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण इत्यादि जैसे मानदण्डों के संदर्भ में दोनों उत्पादों की विशेषताएं तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं आधारभूत उत्पाद गुणधर्मों के संदर्भ में चीन जन. गण. से आयातित वस्तुओं से तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं चीन जन. गण. से आयातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि केवल भारत, चीन एवं डेनमार्क ही विश्व में विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात उत्पादक हैं। याचिकाकर्ता ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च एवं लाभ सहित भारत में उत्पाद की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। प्राधिकारी अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार एतद्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों से उनकी टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं।

6. निर्यात कीमत

संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का निर्धारण गौण स्रोतों से एकत्रित सौदेवार आयात आंकड़ों पर विचार करके किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन तथा निर्यातक देश में पत्तन व्यय के आधार पर समायोजन किया गया है।

7. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है, जिससे संबद्ध देश के संबंध में अत्यधिक पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं कि चीन में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि चीन से निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

आवेदक ने वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदण्डों से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है, जिसके विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि आयातों में समग्र अर्थों में तथा भारत में उत्पादन तथा खपत के संबंध में भी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक मानदण्डों से यह प्रदर्शित होता है कि क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह में गिरावट आई है। वर्ष 2006-07 तक उत्पादन, बिक्री एवं क्षमता उपयोग में गिरावट आई तथा वर्ष 2007-08 में इनमें अंशतः सुधार आया। तथापि वर्ष 2007-08 में उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग का स्तर वर्ष 2004-05 तथा 2005-06 के स्तर से कम रहा है। विभिन्न आर्थिक मानदण्डों के विश्लेषण से प्रथम दृष्ट्या यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है।

9. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा एवं प्रभाव की जांच करने हेतु पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हैं।

10. जांच की अवधि (पीओआई)

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि वर्ष 2007-08 (12 महीने) है। तथापि क्षति जांच अवधि में वर्ष 2004-05, 2005-06, 2006-07 तथा जांच की अवधि शामिल है।

11. सूचना प्रस्तुत करना

संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, भारत में उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, भारत में संबंधित समझे जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए और निम्नलिखित को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है। वर्तमान जांच में भाग लेने का इच्छुक कोई अन्य पक्षकार भी निम्नलिखित पते पर अपने अनुरोध भेज सकता है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
भारत सरकार
कमरा नं. 250ए, उद्योग भवन
नई दिल्ली-110011

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मकता से संबंधित जांच से संगत सूचना उपलब्ध करवा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी जांच से संगत अपने अनुरोध नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत कर सकती है।

12. समय सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों जिन्हें अलग से लिखा गया है, को यह सूचना उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर भेजनी होगी। यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय सीमा में विस्तार हेतु किसी भी प्रकार के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

13. अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

नियमावली के नियम 6(7) के संदर्भ में, हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्राधिकारी को प्रस्तुत की जाने वाली किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित होता है। और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाली पार्टी के विचार से ऐसी सूचना का सारांश करना संभव न हो तो उसका कारण बताते हुए एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को उचित सिफारिशें कर सकते हैं।

14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के संदर्भ में निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल रखते हैं। कोई हितबद्ध पार्टी, अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 17th November, 2008

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Diethyl Thio Phosphoryl Chloride originating in or exported from China PR.

No. 14/18/2008-DGAD.— Whereas M/s. Cheminova India Limited – Mumbai (herein after referred to as applicants) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (herein after referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), alleging dumping of Diethyl Thio Phosphoryl Chloride (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the People's Republic of China (herein after referred to as "subject country") and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the China PR, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

Product under consideration in the present petition is Diethyl Thio Phosphoryl Chloride.

Diethyl Thio Phosphoryl Chloride is a colourless or light yellow/amber organic liquid having disagreeable odor. It has density of 1.196 g/cm^3 . Diethyl Thio Phosphoryl Chloride is insoluble in water but is soluble in organic solvents. It is a highly toxic chemic which may irritate eyes and lungs. It is used as an intermediate for pesticide. It is also known as O,O-Diethyl Phosphorichloridothioate or DETPC. Diethyl Thio Phosphoryl Chloride is having chemical formula $\text{C}_4\text{H}_{10}\text{ClO}_2\text{PS}$. Petitioner has claimed that Diethyl Thio Phosphoryl Chloride is known by various synonyms. Product scope includes product in all its synonyms.

4548 GI/08-2

2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING

The application has been filed by M/s. Cheminova India Limited, Mumbai and supported by Excel Industries Limited, Mumbai. These producers are major producers of the product in India. Based on information on record, the Authority has determined that (a) production of the applicant constitutes a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry.

The Authority, after examining the above, determines that the applicant constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2 and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

3. COUNTRY INVOLVED

The country involved in the present investigation is People's Republic of China.

4. LIKE ARTICLE

The applicant has claimed that there are no known differences in subject goods produced by the petitioner and exported from China PR. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. The goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods from China PR in terms of essential product properties. The goods offered by the domestic industry are like article to the goods imported from China PR.

5. NORMAL VALUE

The applicant claimed that China is a non market economy. Petitioner has also claimed that India, China and Denmark are the only known producers of the product under consideration in the World. Petitioner has determined normal value based on cost of product in India, including selling general & administration expenses and profit. Authority hereby invites comments from all interested parties in accordance to para 7 of Annexure I.

6. EXPORT PRICE

Export price of the subject goods from the subject countries has been determined by considering transaction-wise import data collected from Secondary Sources. Adjustments have been made on account of ocean freight, marine insurance, commission, and port expenses in the exporting country to arrive at ex-factory export price.

7. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of the subject country. There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in China is significantly higher than the ex-factory export price, indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped into the Indian market by exporters from China.

8. INJURY AND CAUSAL LINK

The applicant has furnished information on various parameters relating to material injury, analysis of which shows that imports have increased in absolute term as also in relation to production and consumption in India. Various economic parameters relating to the domestic industry shows that market share, profits, return on investment and cash flow declined over the injury period. Production, sales & capacity utilization declined upto 2006-07 and partly recovered in 2007-08. However, the level of production, sales & capacity utilization achieved in 2007-08 is lower than the levels achieved in 2004-05 and 2005-06. Analysis of various economic parameters shows, prima facie, that domestic industry has suffered material injury from dumped imports.

9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Authority, in view of the foregoing, initiates anti-dumping investigations into existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

The period of Investigation for the purpose of the present investigation is 2007-08 (12 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2004-05, 2005-06, 2006-07 and the POI.

11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject country, Government through the Embassy, importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Room No. 250A, Udyog Bhavan,
New Delhi – 110011.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations, who can furnish information relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

12. TIME LIMIT

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of

publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

13. SUBMISSION OF INFORMATION ON NON-CONFIDENTIAL BASIS

In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

14. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

R. GOPALAN, Designated Authority